बेटियों के बाद माताओं को बचाने का संकल्प

मातृ मृत्यु रोकने के लिए श्री शनिधाम ने शुरू की पाली संकट मोचक योजना

आपातकालीन स्थिति में गर्भवती महिला को नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाने वाले व्यक्ति को मिलेगा 11 हजार का नकद पुरस्कार

पहले बेटियों को बचाया, अब माताओं को बचाएंगे। यह संकल्प लिया है श्री शनिधाम ट्रस्ट ने। पाली सुंमगला योजना की तर्ज पर शनिधाम और जिला प्रशासन ने नई योजना संकट मोचक योजना-पाली की शुरुआत की है। इसका मकसद लोगों को गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य जांच के प्रति जागरूक करना और उनके जीवन को बचाना है। श्रीश्री 1008 महामंडलेश्वर परमहंस दाती जी महाराज ने इस योजना का शुभारंभ किया। इस मौके पर जिला कलक्टर श्री नीरज के पवन ने बताया कि दाती महाराज के सहयोग से पूरे जिले में यह योजना लागू की जाएगी।

योजना के तहत पाली जिले में किसी भी विशिष्ठ चिकित्सा संस्थान पर गर्भवती महिला को गर्भावस्था, प्रसव के दौरान या प्रसव के डेढ़ माह तक की अवधि के दौरान आपातकालीन स्थिति में लेकर आने वाले व्यक्ति को अब पुरस्कार के रूप में नगद राशि प्रदान की जाएगी। चिकित्सा संस्थान के डाक्टर को यह प्रमाणित करना आवश्यक होगा कि यदि महिला को सही समय पर इलाज के लिए नहीं लाया जाता तो उसकी मृत्यु को सकती थी। सम्भावित मातृ मृत्यु को रोकने में सहयोगी बनने वाले ऐसे प्रेरक व्यक्ति को श्री शनिधाम ट्रस्ट, आलावास की ओर से ग्यारह हजार रुपए की राशि पुरस्कार के रूप में प्रदान की जाएगी।

जिला कलेक्टर ने बताया कि मातृ मृत्यु को रोकने के लिए चिकित्सा संस्थान पर महिला को लाने वाले व्यक्ति को आवेदन पत्र भरकर संबंधित चिकित्सा विशेषज्ञ से प्रमाणित करवा कर चिकित्सा संस्थान के प्रभारी चिकित्सक से हस्ताक्षर करवाने होंगे। इसके बाद आवेदन पत्र को जिला स्तर पर प्रस्तुत करना होगा, जिसकी जांच मुख्य चिकित्सा, स्वास्थ्य अधिकारी तथा योजना के जिला नोडल अधिकारी करेंगे। जिला कलेक्टर द्वारा अनुमोदन करने पर श्री शनिधाम ट्रस्ट द्वारा पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी। जिला कलेक्टर ने बताया कि महिला को आपात स्थिति में चिकित्सा संस्थान तक ले जाने वाला व्यक्ति चिकित्सा विभाग का कोई भी कर्मचारी, आशा सहयोगिनी, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका, साथिन, गांव की दाई, कोई भी सरकारी कर्मचारी, जनप्रतिनिधि या गांव का कोई भी आम व्यक्ति हो सकता है।